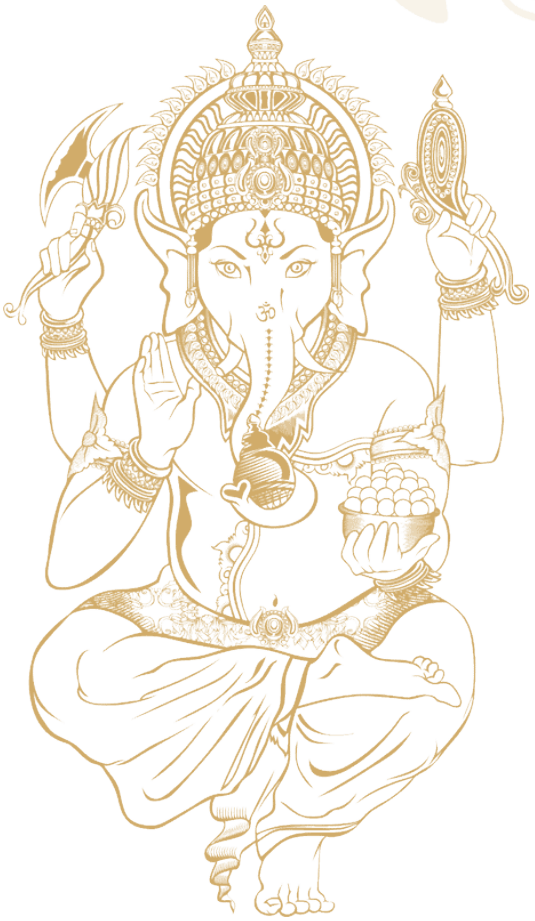

H

A

Model: Web-FreeMatching

Order No: 121049703

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
03/11/1998	जन्म तिथि	14-15/08/1998
मंगलवार	दिन	शुक्र-शनिवार
घंटे 12:30:00	जन्म समय	02:22:00 घंटे
घटी 14:48:36	जन्म समय(घटी)	51:21:06 घटी
India	देश	India
Delhi	स्थान	Delhi
28:39:00 उत्तर	अक्षांश	28:39:00 उत्तर
77:13:00 पूर्व	रेखांश	77:13:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:21:08	स्थानिक संस्कार	-00:21:08 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
06:34:33	सूर्योदय	05:49:33
17:35:26	सूर्यास्त	19:01:37
23:50:16	चित्रपक्षीय अयनांश	23:50:09

विंशोत्तरी केतु 5वर्ष 2मा 1दि	अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी सूर्य 5वर्ष 1मा 16दि
सूर्य	07:03:28	मक	लग्न	मिथु	12:29:18	राहु
05/01/2024	16:48:50	तुला	सूर्य	कर्क	28:01:11	30/09/2020
04/01/2030	03:28:59	मेष	चंद्र	मेष	28:36:03	01/10/2038
सूर्य 23/04/2024	22:15:31	सिंह	मंगल	कर्क	02:19:35	राहु 14/06/2023
चन्द्र 23/10/2024	08:16:45	वृश्चि	बुध व	कर्क	26:27:52	गुरु 06/11/2025
मंगल 28/02/2025	24:30:10	कुंभ व	गुरु व	मीन	02:59:23	शनि 12/09/2028
राहु 23/01/2026	17:51:25	तुला	शुक्र	कर्क	07:58:22	बुध 02/04/2031
गुरु 11/11/2026	05:29:25	मेष व	शनि	मेष	09:47:31	केतु 19/04/2032
शनि 24/10/2027	04:49:37	सिंह व	राहु व	सिंह	07:40:53	शुक्र 20/04/2035
बुध 29/08/2028	04:49:37	कुंभ व	केतु व	कुंभ	07:40:53	सूर्य 14/03/2036
केतु 04/01/2029	15:04:25	मक	हर्ष व	मक	16:28:23	चन्द्र 12/09/2037
शुक्र 04/01/2030	05:41:26	मक	नेप व	मक	06:21:26	मंगल 01/10/2038
	13:03:02	वृश्चि	प्लूटो व	वृश्चि	11:27:39	

लग्न-चलित

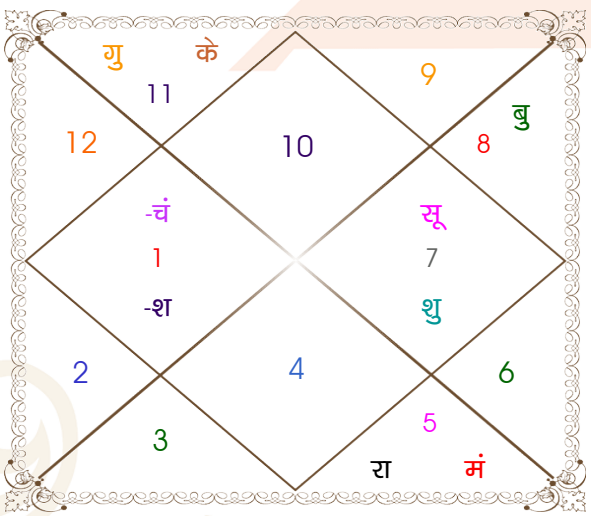

लग्न-चलित

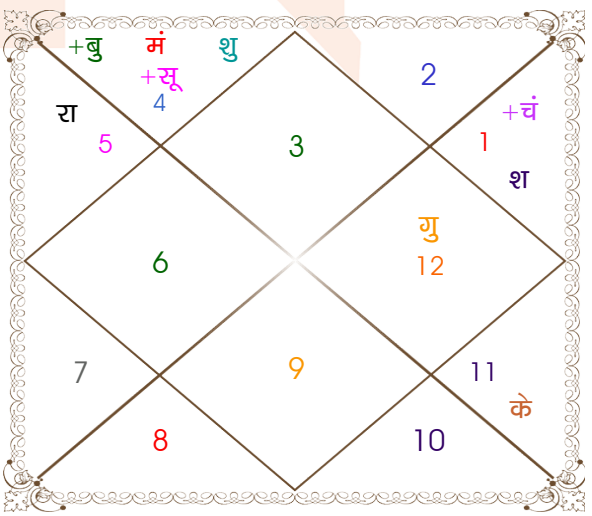

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	क्षत्रिय	क्षत्रिय	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	चतुष्पाद	चतुष्पाद	2	2.00	--	स्वभाव
तारा	मित्र	विपत	3	1.50	--	भाग्य
योनि	अश्व	मेष	4	3.00	--	यौन विचार
मैत्री	मंगल	मंगल	5	5.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	देव	राक्षस	6	1.00	--	सामाजिकता
भकूट	मेष	मेष	7	7.00	--	जीवन शैली
नाड़ी	आद्य	अन्त्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	28.50		

ঌ का वर्ग सिंह है तथा । का वर्ग गरूड़ है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार ঌ और । का मिलान अत्युत्तम है।

मंगलीक दोष मिलान

ঌ मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में अष्टम् भाव में स्थित है।

कुजजीवो समायुक्तो युक्तो व कुजचन्द्रमा।
न मंगली मंगल राहु योग।

यदि मंगल-गुरु या मंगल-राहु या मंगल-चंद्र एक राशि में हों तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

क्योंकि मंगल एवं राहु ঌ कि कुण्डली में एक राशि में हैं अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

। मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में द्वितीय भाव में स्थित है।

गुणबाहुल्ये भौमदोषो न विद्यते।।

यदि अधिक गुण मिलते हों तो मंगल दोष नहीं लगता।

क्योंकि अधिक गुण मिलते हैं अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि राहु । कि कुण्डली में तृतीय भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

भ तथा । में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।